Feasibility Study of Petroleum Production in Andhra Pradesh

4563. SHRI PUTTAPAGA RADHAKRISHNA : Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) Whether any feasibility study his been undertaken by Government regarding the production of patroleum in the offshore and onshore areas of Andhra Pradesh; and

(b) If so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) and (b) A study was carried out by M/s. Engineers India Limited to p.cpare pre-investment feasibility report for starting oil production only from GS-16 structure in Krishna Godavari offshore basin. The structure is expected to be put on production through an Early Production System by the middle of 1939.

नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन के अधीन सुदामडीह खानें

4564. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा संचालित सुदामडीह खानों और कोल वाशरी की वर्तमान उत्पादन क्षमता क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि गत अनेक वर्षों के दौरान यह संगठन अपनी क्षमता के अनुरूप उत्पादन करने में विफल रहा है ;

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इसकी लक्ष्यगत क्षमता कितनी थी और इस अवधि के दौरान प्रति वर्ष वास्तविक उत्पादन कितना हुआ ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इस कमी के कारण उत्पादन लागत बढ़ गई है और यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) से (ग) सुदामडीह खान और वाशरी के संचलन का काम कोल इंडिया लि० की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. कर रही है । सुदामडीह खान की स्वीकृत क्षमता 1.65 मिलियन टन प्रति वर्ष है और वाशरी का लक्ष्य 2.0 मिलियन टन प्रति वर्ष कच्चे कोयले का है । परन्तु, इस खान में, समक्ष आ रही अत्यन्त कठिन भू-खनन परिस्थितियों के कारण, इस खान का काम इसकी स्वीकृत क्षमता के मुताबिक नहीं रहा है । केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि. द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार, खान की वर्तमान उत्पादन क्षमता 0.60 मिलियन टन है और वाशरी की वर्तमान उत्पादन क्षमता 1.50 मिलियन टन है । पिछले तीन वर्षों के वास्तविक उत्पादन के आंकड़े निम्नलिखित हैं :

(मिलियन टनों में)

	सुदामडीह खान	सुदामडीह वाशरी
1985-86	0.42	0.748
1986-87	0.45	0.927
1987-88	0.48	1.062

(घ) इस खान से होने वाले कोयले के उत्पादन की लागत में वृद्धि का कारण है—मूल रूप से प्रत्याशित उत्पादन की तुलना में उत्पादन का कम होना और उत्पादन कम होने का कारण है अत्यंत कठिन भू-खनन परिस्थितियों का होना। ऐसी परिस्थितियां आमतौर पर कोयला क्षेत्रों में नहीं पायी जाती हैं।

जनशक्ति के उपयोग को सीमित किया जाना

4565. **श्री राम जेठमलानी** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लि. ने केन्द्रीय सरकार को संस्थान में जनशक्ति के उपयोग को सीमित करने के लिए एक योजना भेजी है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के कार्यान्वयन से संस्थान को कितना आर्थिक लाभ होगा और कितने श्रमिकों की छंटनी की जाएगी ; और

(ग) उस पर केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) "जनशक्ति का इस्तेमाल सीमित किए जाने" के विषय पर कोई योजना प्राप्त नहीं हुई है। परन्तु कोल इंडिया लि. ने अपने कामगारों की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के संबंध में एक योजना सरकार के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की है।

(ख) इस योजना में लागत में कोई प्रभावकारी कमी लाने वाली वित्तीय प्रवृत्ति अन्तर्ग्रस्त नहीं है। इस योजना के अन्तर्गत किसी भी कामगार की छंटनी किए जाने का प्रस्ताव नहीं है।

(ग) यह योजना अभी जांचाधीन है।

नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन के अधीन सुदामडीह खानों के विकास के लिए सोवियत संघ से रोड हैडर्स की खरीद

4566. **श्री राम जेठमलानी** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि नेशनल कोल डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा संचालित सुदामडीह खानों और कोल वाशरी के विकास के लिए कुछ समय पहले सोवियत संघ से रोड हैडर्स खरीदे गए थे ;

(ख) यदि हां, तो इनकी संख्या और मूल्य क्या था ;

(ग) क्या इनका उपयोग खानों के विकास के लिए किया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इनके उपयोग से प्राप्त परिणाम क्या हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) से (घ) सुदामडीह की खानों के विकास के लिए अपेक्षित 6 रोड हैडर 4.17 करोड़ रुपए की लागत पर आस्ट्रिया से खरीदे गए थे, सोवियत रूस